इब्रनियन क पत्र

परमेस्सर अपने पूत क माध्यम स बोलत ह

1 परम्मेस्सर त अतीत मँ नबियन क जरिये कइयउ
अवसरन प कउनउ तरह स हमरे पूर्वजन स बातचीत
किहेस।
2मुला इन आखिरी दिने मँ उ हमसे अपने पूत क जरिये
बातचीत किहेस, जेका ओ सब कछू क उतराधिकारी नियुक्त
किहेस अउर जेकरे द्वारा उ समूचे ब्रह्माण्ड क रचना
किहेस।
3उ पूत परमेस्सर क महिमा क प्रभा-मण्डल अहइ अउर
ओकरे प्रकृति क प्रतिलिपि अहइ। उ अपने समर्थ बचन क
द्वारा सब चीजन क स्थिति बनाए रखत ह। सबके पापन क
धोअइ क उ सरगे मँ ओह महामहिम क दहिने हाथे बइठि
गवा। 4एह तरह उ सरगदूतन स एतना ही महान बनि गवा
जेतॅना कि ओनके उ किहेन। उ सबइ नाउँ स उत्तिम नाउँ
बाटइ जउन उ उत्तराधिकार मँ पाए अहइ।

5काहेकि परमेस्सर तउ कउनो सरगदूतन स कभी अइसेन
नाहीं कहेस:

"पूत तू मोर, आजु तोहार बनि गवा हउँ मइँ पिता।"

भजन संहिता 2:7

अउर न ही कउनो सरगदूत स उ इ कहेस ह,

"पिता ओकर मइँ बनबइ, अउर होइ पूत उ मोर।

2 समूएल 7:14

6अउर फिन उ जब आपन पहिलौटी क लड़का अउर
महत्वपूर्ण क संसार मँ लावत ह तउ कहत ह,

"परमेस्सर क सरगदूतन सब ओकर नमन करइँ।"

व्यवस्था विवरण 32:43

7सरगदूतन क बारे मँ बतावत उ कहत ह,

"सरगदूतन उ अपने सब पवन बनावइ अउर बनावइ
आपन सेवक लपट आगी क।" *भजन संहिता 104:4*

8मुला अपने पूत क बारे मँ उ कहत ह:

"हे परमेस्सर, सास्वत तोहर सिंहासन बा, तोहार राज दण्ड
बाटइ नेकी;
9नेकी ही तोहका पिआरी बा, तोहका घृणा रही पापन स
तउन परमेस्सर, तोहर परमेस्सर तउ चुना बा तोहका अउर
ओह महान आनन्द दिहेस। तोहका कहूउँ जियादा तोहरे
साथियन स।" *भजन संहिता 45:6-7*

10उ इहउ कहत ह,

"हे पर्भू, सृस्टि क जब होत रहा जन्म मँ तुमने सरग
तथा धरती क नींव राख्या यह तोहरे हाथ का ही कारज
अहइँ।
11अउर इ सब नस्ट होइ जइहीं मुला रहेगा तू चिरन्तर
पुरान कपड़ा स फटि जइहीं इ सबइ
12अउर तू परिधान जइसेन ओनका लपेटब्या बदल उ
जइहीं फिन कपड़ा जइसेन। मुला तू तउ अहसेन, जैसा की
चाह्या रहब्या तोहरे समइ का कबहुँ न अन्त होई।"

भजन संहिता 102:25-27

13परमेस्सर त कबहुँ कउनो सरगदूत स अइसेन नाहीं कहेस:

"बइठा जा तू दहिने मोरे कि ब जब तलक मइँ न तोहरे
दुस्मनन क, चरन क चौकी बनाइ देउँ चरन तल तोहरे।"

भजन संहिता 110:1

14का सबहिं सरगदूत उद्धार पावइवालन क सेवा क बरे
पठई गईन सहायक आतिमा नाहीं अहइँ।

सावधान रहइ क चेतावनी

2 एह बरे हमका अउर जियादा सावधानी क साथे, जउन
कछू सुने अही, ओह प धियान देइ चाही ताकि हम
भटकइ न पाइ। 2काहेकि अगर सरगदूतन द्वारा दीन्ह गवा
उपदेस सत्य होत ह अउर ओकरे हर एक उल्लंघन अउर
अवज्ञा क बरे उचित सजा दीन्ह गवा तउन अगर हम
अइसेन महान उद्धार क अपेच्छा कइ देत अही तउ हम
दण्ड स कइसे बची। 3एह उद्धार क पहिली घोसना पर्भू क
जरिये की गइ रही। अउर फिन जे एका सुने रहेन, उ हमरे
बरे एकर पुस्टि किहेस। 4परमेस्सर तउ अचरजन, अद्भुत
चिन्हन तरह-तरह क अद्भुत कारजन उ पवित्तर आतिमा क
उन उपहारन द्वारा जउन ओकर इच्छा क अनुसार बाँटा
गवा रहा, एका प्रमाणित किहेस।

उद्धारकर्ता मसीह क मानुस देह धारण

5ओह भावी संसार क, जेकर हम चरचा करत अही उ
सरगदूतन क अधीन नाहीं किहेस, 6बल्कि पवित्तर सास्तरन
मँ कउनउ स्थान पर कउनो इ साच्छी दिहे अहइ:

"परमेस्सर का बा मनई जउन तू ओकर सुध लेत अहा?
का अहइ हर मनई क पूत जेकरे बरे अहा चिंतित तू?
7तू सरगदूतन स किंचित ओका कम कीहा तनिक स
समइ क रख दिहा ओका सिर महिमा अउर सम्मान क
राजमुकुट

8अउर ओकरे चरनन तरे ओकरे अधीनता मँ रख दिहा सभन कछू।"

भजन संहिता 8:4-6

सब कछू क ओकरे अधीन रखत भए परमेस्सर तउ कछू भी अइसेन नाही छोड़ेस जउन्न ओकरे अधीन न होइ। फिन भी आजकाल हम हर एक चीज क ओकरे अधीन नाहीं देखत हई। 9मुला हम इ देखित हई कि उ ईसू जेका तनिक समइ क बरे सरगदूतन स नीचे कइ दीन्ह गवा रहा, अब ओका महिमा अउर सम्मान क मुकुट पहिनावा गवा बा काहेकि उ मउत क यातना झेले रहा। जे परमेस्सर क अनुग्रह क कारण उ हर एक लोग क बरे मउत क अनुभव किहेस।

10परमेस्सर एक ही बाटइ जउन सबहिं चीजन क बनएस। अउर सबहिं चीजन ओकरी महिमा बरे अहइँ। कइयउ बेटवन क महिमा प्रदान करत भवा उ परमेस्सर क बरे जेकर द्वारा अउर जेकरे बरे सब क अस्तित्व बना भवा बा, तउ उ ईसू क पूर्ण बनाएस। ओकरे बेटवन क इ सोभा देत ह कि उ ओनके छुटकारा क विधाता क जातनन क द्वारा पूरा सिद्ध करइ।

11उ दुइनउँ ही-उ (ईसू) जउन मनई क पवित्तर बनावत ह अउर उ पचे जउन पवित्र बनावा जात हीं, एक्कई परिवार क अहइँ। इहीं बरे उ (ईसू) ओन्हन क भाइयन तथा बहिनियन कहइ मँ लज्जा नाहीं करत ह। 12ईसू कहेस,

"आपन भाइयन मँ नाउँ क उद्घोस तोहरे मइँ करबइ सभा क बीच सबके सामने प्रसंसा गीत तोहरे गउबइ मइँ।"

भजन संहिता 22:22

13अउर फिन,

"मइँ ओकर बिसवास करबइ।"

यसायाह 8:17

अउर फिन उ कहत ह:

"मइँ इहाँ हउँ। अउर उ पचे सन्तान जउन हइन साथे मोरे हई दीन्ह जेनका मोरे परमेस्सर।"

यसायाह 8:18

14काहेकि संतान माँस अउर लहू स युक्त रही इही बरे ऊहउ ओनकइ इ मानुसता मँ सहभागी होइ गवा ताकि अपने मउत क जरिये उ ओका मतलब सइतान क खतम कइ सकइ जेकरे लगे मारइ का सक्ती बाटइ। 15अउर ओन्हन क मुक्त कइ लेइ जेकर सम्पूर्ण जीवन मउत क बरे आपने भय क कारण दासता मँ बीता बा। 16काहेकि उ निस्चित बा कि उ सरगदूतन नाहीं बल्कि इब्राहीम क बंसजन क सहायता भी करत अहइ। 17इही बरे उ सब तरह स ओकरे भाइयन क जइसा बनावा गवा ताकि उ परमेस्सर क सेवा मँ दयालु अउर बिसवासी महायाजक बनि सकइ। अउर लोगन क ओनके पापन क छमा देवॉवइ क बरे बलि दइ सकइ। 18काहेकि उँ खुदइ ओह समइ, जब ओकर परीच्छा लीन्ह जात रही खूबइ जातना भोगे अहइ। इही बरे जेकर परीच्छा लीन्ह जात बाटइ उ ओकर सहायता करइ मँ समर्थ बा।

ईसू मूसा स महान

3 अत: सरगे क एक बोलावा मँ भागीदार हे पवित्तर भाइयो! आपन ध्यान ओह ईसू प लगाइ रखा जउन परमेस्सर क प्रतिनिधि अउर हमार घोसित बिसवास क अनुसार महायाजक अहइ। 2जइसेन परमेस्सर क समूचा घरे मँ मूसा बिसवासी रहा वइसे ही ईसू भी जे ओका नियुक्त किहे रहा ओह परमेस्सर क बरे, बिसवास स भरा रहा। 3जइसेन घर क निर्माण करइवाला खुद घर स जियादा आदर पावत ह, वइसेन ईसू मूसा स जियादा आदर का पात्र माना गवा अहइ। 4काहेकि हर एक भवन क कउनउ न कउनउ बनावइ वाला होत ह, मुला परमेस्सर तउ सब चीज क सिरजनहार अहइ। 5परमेस्सर क समूचा घराना मँ मूसा एक सेवक क समान बिसवास पात्र रहा, उ ओन्हन बातन का साच्छी रहा जउन भविस्स मँ परमेस्सर क जरिये कही जाइ क रहिन। 6मुला परमेस्सर क घर मँ मसीह तउ एक बेटवा क रूपे मँ निस्ठावान योग्य अहइ अउर अगर हम अपने साहस अउर ओह आसा मँ बिसवास क बनाए रखित तउ हम ही ओकर घराना हई।

अबिसवासियन क विरुद्ध चेतावनी

7एह बरे पवित्तर आतिमा कहत ह:

"आज अगर ओकर सुना आवाज,

8जिन करा आपन हिरदय क जड़ रहेन किहे जइसेन बगावत क दिना मँ जब तू पचे रेगिस्तान मँ परमेस्सर क परखे रह्या

9मोका परखेन तोहार पूर्वजन तउ, लिहेन परीच्छा धीरज क मोर ओ सबइ अउर देखेन काम मोर जेन्हे मइँ करत रहेउँ चालीस बरस!

10इहइ रहा उ कारण जेसे क्रोधित मइँ ओन्हन लोगन स रहेउँ: अउर फिन मइँ कहे रहेउँ, 'हिरदय एनकइ भटकत रहत रहेन हमेसा ही का नाहीं इ जानतेन जउन रस्ता मोर'

11क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे रहेउँ 'इ कबहुँ बिस्राम मँ मोरे न सामिल होइहीं।'"

भजन संहिता 95:7-11

12भाइयो तथा बहिनियो, देखत रहा कहूँ तोहमाँ स कउनो क मन मँ पाप अउर अबिसवास न समाइ जाइ जउन तोहे सजीव परमेस्सर से भी दूर भटिकाइ देइ। 13जब तलक इ "आजु" क दिना कहवावत ह, तू हर दिन परमेस्सर एक दुसरे क ढाँढ़स बंधावत रहा जइसेन तोहमाँ स कउनउ पाप क छलावा मँ पड़िके जड़ न बनि जाए। 14अगर हम अंत तक मजबूती क साथे अपने आरम्भ क बिसवास क थामे रहित ह तउ हम मसीह क भागीदारि बनि जाइत ह। 15जइसेन कि कहा भी गवा बा:

"आजु अगर ओकर सुना आवाज! न करा आपन हिरदय क जड़ रहे किहे जइसेन कि बगावत क दिनन मँ।"

भजन संहिता 95:7-8

16भला उ पचे कउन रहेन जइसेन उ पचे सुनेन अउर बिद्रोह किहेन? का उ पचे उहइ सब नाहीं रहेन जेन्हे मूसा

तउ मिस्र स बचाइ क निकाले रहा? **17**उ चालीस बरसन
तलक केन पइ क्रोधित रहा? का ओनहीं प नाहीं जे पाप
किहे रहेन अउर जेनकर ल्हास रेगिस्तान मँ पड़ा रहेन?
18परमेस्सर कनके बरे सपथ उठाए रहा कि उ पचे ओकर
बिस्राम मँ प्रवेस न कर पइहीं? का उ पचे उहइ सब नाहीं
रहेन जे ओनके आज्ञा क उल्लंघन किहे रहेन? **19**एह तरह
हम देखित अही कि उ पचे अपने अबिसवासे क कारण ही
उहाँ प्रवेस पावइ मँ समर्थ नाहीं होइ सका रहेन।

4 अत: जब ओकरे बिस्राम मँ प्रवेस क प्रतिज्ञा अब
तलक बीन भइ बाटइ तउ हमका सावधान रहइ चाही
कि तोहरे मँ स कउनउ अनुपयुक्त सिद्ध न होइ। **2**काहेकि
हमकउ ओनही क समान सुसमाचार क उपदेस दीन्ह गवा
बा। मुला जउन उपदेस ओ पचे सुनेन ह, उ ओनके बरे
बेकार बा। काहेकि उ पचे जब ओका सुनेन तउ एका
बिसवास क साथे धारण नाहीं किहेन। **3**अब देखा, हम तउ
जउन बिसवासी अही ओह बिस्राम मँ प्रवेस पाए अही।
जइसेन कि परमेस्सर कहे भी बाटइ:

"क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे रहेउँ, 'इ
पचे कबहुँ बिस्रामे मँ मोरे नाहीं सामिल होइहीं।'"

भजन संहिता 95:11

जब संसार क सृस्टी करइ क बाद ओकर काम पूरा होइ
गवा रहा। **4**उ सतवाँ दिना क सम्बन्ध मँ एन सब्दन मँ कहूँ
पवित्तर सात्तरन मँ कहा बाटइ "अउर फिन सतवें दिना
आपन सभन कामन स परमेस्सर तउ बिस्राम लिहेस।" **5**अउर
फिन उपरोक्त सन्दर्भ मँ भी उ कहत ह, "उ पचे कबहुँ
बिस्राम मँ मोर न सामिल होइहीं।"

6जेनका पहिले सुसमाचार सुनावा गवा रहा आपन
अनाज्ञाकारिता क कारण उ तउ बिस्राम मँ प्रवेस नाहीं पाइ
सकेन मुला अउरन क बरे बिस्राम क दुवार अबऊ खुला
बा। **7**इही बरे परमेस्सर तउ फिन एक बिसेस दिन निस्चित
किहेस अउर ओका नाउँ दिहेस, "आजु" कछू बरसन क
बाद दाऊद क द्वारा परमेस्सर तउ उ दिन क बारे मँ
पवित्तर सास्तर मँ बताए रहा। जेकर उल्लेख हम अबहीं
किहे रहे:

"आज अगर ओकर सुना आवाज, न करा आपन हिरदय
क जड़।" *भजन संहिता 95:7-8*

8अत: अगर यहोसु ओनका बिस्रामे मँ लइ गवा होत तउ
परमेस्सर बाद मँ कउनउ अउर दिना क बारे मँ न बतउतइ।
9तउ खैर जउन भी होइ परमेस्सर क भक्तन क बरे एक
वइसी बिस्रान्ति रहत अहइ जइसेन बिस्रान्ति सातवें दिना
परमेस्सर क रही। **10**काहेकि जउन कउनो परमेस्सर क
बिस्रान्ति मँ प्रवेस करत ह, अपने करमन स बिस्रान्ति पाइ
जात ह। वइसेन ही जइसेन परमेस्सर तउ अपने करमन स
बिस्रान्ति पाइ लिहेस। **11**तउ आवा हमहूँ ओह बिस्रान्ति मँ
प्रवेस पावइ क बरे हर एक प्रयत्त करीं। ताकि ओकर
अनाज्ञाकारिता क उदाहरण क करत भए कउनो क पतन न
होइ।

12परमेस्सर क बचन त सजीव अउर क्रियासील बा, उ
कउनो दुधारी तलवार से भी जियादा पैना बा। उ आतिमा
अउर प्राण, संधियन अउर मज्जा तलक मँ गहिरा बेध जात
ह। उ मनक क वृत्तियन अउर बिचारन क परख लेत ह।
13परमेस्सर क दिस्टी स एह समूचे सृस्टि मँ कछू भी
ओझल नाहीं बाटइ। ओकरे आँखिन क सामने जेका हमका
लेखा-जोखा देइ क बा, हर चीज बिना कउनो आवरण क
उघड़ी हुई बाटइ।

महान महायाजक ईसू

14एह बरे काहेकि परमेस्सर क पूत ईसू एक अइसेन
महान महायाजक अहइ, जउन सरगे मँ स होइके गवा अहइ
तउ हमका अपने अंगीकृत अउर घोसित बिसवास क दृढ़ता
क साथे थामे रखइ चाही। **15**काहेकि हमरे लगे जउन
महायाजक अहइ, उ अइसेन नाहीं अहइ जउन हमार
कमजोरी क साथे सहनुभूति न रख सकइ। ओका हर तरह
स वइसेन ही परखा गवा बा जइसेन हमका फिन भी हमेसा
पाप रहित बा। **16**त फिन आवा हम भरोसा क साथे अनुग्रह
पावइ परमेस्सर क सिंहासन कइँती बढ़ी ताकि जरूरत पड़इ
प हमार सहायता क बरे हम दया अउर अनुग्रह क पाइ
सकी।

5 हर एक महायाजक मनइयन स ही चुना जात ह। अउर
परमात्मा सम्बन्धी बिसयन मँ लोगन क प्रतिनिधित्व
करइ क बरे नियुक्त कइ जात ह ताकि उ पापन क बरे
भेंट य बलिदान चढ़ावइ। **2**काहेकि उ खुद भी कमजोरन क
अधीन अहइ, इही बरे उ ना समझन अउर भटकन भएन क
साथे कोमल व्यवहार कइ सकत ह। **3**इह बरे ओका अपने
पापन क बरे अउर वइसेन लोगन क पापन क बरे बलिदान
चढ़ावइ पड़त ह। **4**एह सम्मान क कउनो अपने प नाहीं लेत।
जइसेन कि हारून क समान परमेस्सर कइँती स ठहरावा न
जात। **5**इही तरह मसीह तउ महायाजक बनइ क महिमा क
खुद ग्रहण नाहीं किहेस बल्कि परमेस्सर तउ ओसे कहेस,

"तू अहा मोर पूत बना हउँ आजु, मइँ तोहार पिता।"

भजन संहिता 2:7

6अउर एक उ स्थान प उहउ कहत ह,

"तू अहा एक सास्वत याजक, मलिकिसिदक* क
जइसा।"

भजन संहिता 110:4

7ईसू तउ एह धरती पे क जीवन काल मँ जउन ओका
मउत स बचाइ सकत ह, ऊँचे सुर मँ पुकारत भए अउर
रोबत भए ओसे सबइ पराथना अउर सब बिनती किहे रहा
अउर आदरपूर्ण समर्पण क कारण ओकर सुनी गइ।
8जद्यपि उ ओकर बेटवा रहा फिन भी जातना झेलत हुए उ
आज्ञा क पालन करइ सीखेस। **9**अउर एक दाई सम्पुर्ण बनि
जाइ प उ सब क बरे जउन ओकरी आज्ञा क पालन करत
हीं उ अनन्त छुटकारा क स्रोत बनि गवा। **10**अउर परमेस्सर

मलिकिसिदक इब्राहीम क समइ क एक याजक अउर बड़का महाराजा रहा। उत्पत्ति 14:17-22

क जरिये मलिकिसिदक क परम्परा मँ ओका महायाजक
बनावा गवा।

पतन क बिरुद्ध चेतावनी

11एकरे बारे मँ हमारे लगे कहइ क बहुत कछू बा, प
ओकर ब्याख्या कठिन बा काहेकि तोहार समझ बहुत धीमी
बाटइ। 12सही मँ एह समइ तलक तउ तोहे सबन क सिच्छा
देइ वाला बनि जाइ चाही रहा। परन्तु तोहे पचन क तउ
अबहिं कउनउ अइसेन मनई क जरूरत बा जउन तोहे सबन
क नवा सिरे स परमेस्सर क उपदेस क आरम्भिक बात ही
सिखावइ। तोहे सबन क तउ बस अबहिं दूध ही चाही ठोस
आहार नाहीं। 13जउन अबहीं दुध-मुँहा बच्चा ही अहइँ
ओका धरम क बचन क पहिचान नाहीं होत।

14मुला ठोस आहार तउ ओन बड़न क बरे होत ह जे
अपने आत्मिक दृस्टि क प्रसिच्छन स भला-बुरा मँ पहिचान
करब सीख लिहे अहइँ।

6 अत: आवा, मसीह सम्बन्धी आरम्भिक सिच्छा क
छोड़िके हम मजबूती कइँती बढ़ी हमका ओन बातन
कइँती अउर न बढ़इ चाही जइसेन हम सुरुआत कीन्ह
जइसेन मउत कइँती लइ जाइवाला करमन क बरे मनफिराव,
परमेस्सर मँ बिसवास, 2बपतिस्मावन* क सिच्छा, हाथ
रखइ, मरइ क बाद फिन स जी उठइ अउर उ निआव
जइसेन हमार भावी अनन्त जीवन निस्चित होई। 3अउर
अगर परमेस्सर चाहे तउ हम अइसेन ही करबइ।

4-6जेनका एक बार प्रकास मिली चुका अहइ, जउन
सर्गीय बरदान क अस्वादन कइ चुका होइँ, जउन पवित्तर
आतिमा क सहभागी होइ गवा अहइँ जउन परमेस्सर क
बचन क उत्तिमताई अउर आवइवाला जुग क सक्तियन क
अनुभव कइ चुका अहइँ, अगर उ भटकि जाइँ तउ ओनका
मनफिराव कइँती लउटाइ लेब असम्भव बा। उ पचे जइसेन
अपने ढंग स नवा सिरे स परमेस्सर क पूत क फिन स क्रूस
पचढ़ाएन अउर ओका सबक सामने आपमान क बिसय
बनाएन।

7उ लोग अइसेन धरती क जइसेन अहइँ जउन हमेसा
होइवाली बरखा क जल क सोख लेत ह, अउर जोतइ-
बोवइवालन क बरे उपयोगी फसल प्रदान करत ह, उ
परमेस्सर क असीस पावत ह। 8मुला अगर उ जमीन प
कांटा अउर गोखरु उपजावत ह, तउ उ बेकार कअहई।
अउर ओका अभिसप्त अहइ क भय बा। अंत मँ ओका
जलाइ दीन्ह जाई।

9पिआरे दोस्तन, चाहे हम एह तरह कहित ह मुला तोहरे
बारे मँ हमका अइसेन अच्छी बातन क बिसवास बा-बातन
जउन उद्धार स सम्बन्धित बाटिन। 10तू ओनके सब जन क
सहायता कइके अउर हमेसा सहायता करत भए जउन पिरेम
दरसाए अहा ओका अउर तोहार दुसरे कामन क परमेस्सर
कबहुँ न भुलाई। उ अन्यायी नाहीं अहइ। 11हम चाहित ह
कि तोहमाँ स हर कउनो जीवन भर अइसेन ही दिन भर
मेहनत करत रहइ। अगर तू अइसेन करत ह तउ तू निस्चित
ही ओका पाइ जाब्या तू आसा करत रहे अहा। 12हम इ
नाहीं चाहित कि तू आलसी होइ जा। बल्कि तू ओनकर
अनुकरण करा जउन बिसवास अउर धीरज क साथे ओन्हन
चीजन क पावत अहइँ जेनका परमेस्सर तउ बचन दिहे रहा।

13जब परमेस्सर इब्राहीम स प्रतिज्ञा किहे रहा, तब
काहेकि खुद ओसे बड़का कउनो अउर नाहीं रहा, जेकर
सपथ लीन्ह जाइ सकइ, इही बरे आपन सपथ लेत भवा।
14उ कहइ लाग, "निस्चित ही मइँ तोहका आसीर्वाद देबइ
अउर मइँ तोहका कइयउ बंसज भी देबइ।"* 15अउर एह
तरह इब्राहीम धीरज क साथे बाटे जोहइके बाद उ इ पाएस
जेकर उ प्रतिज्ञा कीन्ह गइ रही।

16लोग ओकर सपथ लेतहीं जउन कउनो ओसे महान
होत ह अउर उ सपथ सबहिं तर्क-बितर्कत क अन्त कइके
जउन कछू कहा जात ह, ओका पक्का कइ देत ह।
17परमेस्सर एका ओन्हा पंचन क बरे, कुल तरह स्पस्ट कइ
देइ चाहत रहा, जेका ओन्हे पावइ क रहा, जेका देइ क उ
प्रतिज्ञा किहे रहा कि उ अपने प्रयोजन क कबहुँ न बदलइ।
इही बरे अपने बचन क साथे उ आपन सपथ क जोड़
दिहेस। 18तउ फिन हियाँ दुइ बात-हइन ओकर प्रतिज्ञा अउर
ओकर सपथ-जउन कबहुँ नाहीं बदल सकतिन अउर जेकरे
बारे मँ परमेस्सर कबहुँ झूठ नाहीं कहि सकत। इही बरे हम
जउन परमेस्सर क लगे सुरच्छा पावइ क आइ अहइ अउर
जउन आसा उ हमका दिहे अहइ, ओका थामे भए हई,
अउर जियादा उत्साहित अही। 19इ आसा क हम आतिमा
क सुदृढ़ अउर सुनिस्चित लंगर क रूप मँ धरे अही। इ
परदा क पीछे भित्तर स भित्तर अन्तरतम तलक पहुँचत ह।
20जहाँ ईसू तउ हमरे कइँती स हमसे पहिले प्रवेस किहेस।
उ मलिकिसिदक क परम्परा मँ सदा हमेसा क बरे महा
याजक बनि गवा।

याजक मलिकिसिदक

7 इ मलिकिसिदक सालेम क राजा रहा अउर सर्वोच्च
परमेस्सर क याजक रहा। जब इब्राहीम राजा लोगन क
पराजित कइके लउटत रहा त उ इब्राहीम स मिला अउर
ओका आसीर्बाद दिहेस। 2अउर इब्राहीम तउ ओका उ सब
कछू मँ स जउन उ युद्ध मँ जीते रहा ओकर दसवाँ भाग
प्रदान किहेस (ओकरे नाउँ क पहिला अर्थ अहइ, "धार्मिकता
क राजा" अउर फिन ओकर इ अर्थ अहइ, "सालेम क
राजा" मतलब "सान्ति क राजा।") 3ओकरे पिता या ओकरी
महतारी अउर ओकरे पूर्वजन क कउनो इतिहास नाहीं मिलत
ह। ओकर जन्म अउर मउत क कहूँ कउनउ उल्लेख नाहीं
बा। परमेस्सर क पूत क समान ही उ हमेसा-हमेसा क बरे
याजक बना रहत ह।

4तनिक सोचा, उ केतॅना महान रहा। जेका कुल प्रमुख
इब्राहीम तलक तउ अपने प्राप्ति क दसवाँ भाग दिहे रहा।
5अब देखा व्यवस्था क अनुसार लेवी बंसज जउन याजक
बनत हीं लोगन स मतलब अपनी ही भाइयन स दसवाँ भाग
लेइँ। जद्यपि ओनकर उ सबइ भाई इब्राहीम क बंसज अहइँ।

बपतिस्मावन बपतिस्मावन स हिआँ या तउ अरथ मसीही
बपतिस्मा स बाटइ या यहूदी रीति क पानी मँ बुड़की लेइ क
बपतिस्मा स।

"निस्चित … देबइ" उत्पत्ति 22:17

6फिन उ मलिकिसिदक जउन लेवी बंसी भी नाहीं रहा,
इब्राहीम स दसवाँ भाग लिहेस। अउर उ इब्राहीम क
आसीर्बाद दिहेस जेकरे लगे परमेस्सर क प्रतिज्ञा रही। 7एहमाँ
कउनउ संदेह नाहीं रहा कि जउन आसीर्बाद देत ह उ
आसीर्बाद लेइवाला स बड़ा होत ह। 8जहाँ तलक लेवियन
क प्रस्न बा, ओहमाँ दसवाँ भाग ओन्हन मनइयन द्वारा
एकट्ठा कीन्ह जात ह, जउन मरणसील हयेन मुला
मलिकिसिदक क जहाँ तलुक प्रस्न बा दसवाँ भाग ओकरे
दुवारा एकत्र कीहा जात ह, जउन पवित्तर सास्तर क अनुसार
अबहुँ जिन्दा अहइँ। 9तउ फिन कउनो इहाँ तलक कहि
सकत ह कि उ लेवी जउ न दसवाँ भाग एकट्ठा करत ह,
उ इब्राहीम क जरिये दसवाँ भाग प्रदान कइ दिहेस।
10काहेकि जब मलिकिसिदक इब्राहीम स मिला रहा, तबउ
लेवी अपने पूर्वजन क सरीर मँ वर्तमान रहा।

11अगर लेवी सम्बन्धी याजकता द्वारा पूर्णता पाइ जाइ
सकत काहेकि इही क अधार प लोगन क व्यवस्था दीन्ह
गवा रहा। त कउनो दुसर याजक क आवइ क जरूरत इ
का रही? एक अइसेन याजक क जउन मलिकिसिदक क
परम्परा क होइ, न कि हारून क परम्परा क। 12काहेकि
जब याजकता भी बदलत ह, तउ व्यवस्था मँ भी परिवर्तन
होइ चाही। 13जेकरे बिषय मँ इ सबइ बात कही गइ बाटिन,
उ कउनो दुसरे गोत्र क अहइ, अउर ओह गोत्र क कउनो
मनई कबहुँ वेदी क सेवक नाहीं रहा। 14काहेकि इ तउ
स्पस्ट इ बा कि हमार पर्भू यहूदा क बंसज रहा अउर मूसा
तउ ओह-गोत्र क बरे याजकन क बारे मँ कछू नाहीं किहे
रहा।

ईसू मलिकिसिदक क जइसनएक याजक हयेन

15अउर जउन कछू हमहूँ कहे हई अउर उ स्पस्ट बा
कि मलिकिसिदक क जइसेन एक दुसर याजक प्रकट होत
ह। 16उ आपन वंसावली क नियम क आधार प नाहीं
बल्कि एक अनन्त जीवन क सक्ती क आधार प याजक
बना अहइ। 17काहेकि घोसित कीन्ह गवा रहा, "तू अहा
एक याजक सास्वत मलिकिसिदक क जइसा।"*

18पहिला नियम एह बरे रद्द कइ दीन्ह गवा काहेकि उ
कमजोर अउर बेकार रहा। 19काहेकि व्यवस्था तउ कउनो
क सम्पूर्ण सिद्ध नाहीं किहेस अउर एक अच्छी आसा क
सूत्रपात कीन्ह गवा जेकरे द्वारा हम परमेस्सर क लगे
खिंचित ह।

20इ बात भी महत्वपूर्ण बा कि परमेस्सर तउ ईसू क
सपथ क द्वारा महायाजक बनाए रहा। जबकि अउरन क
बिना सपथ कउनो महायाजक बनावा गवा रहा। 21मुला ईसू
तब एक सपथ स याजक बना रहा, जब परमेस्सर तउ ओसे
कहे रहा,

"पर्भू तउ लिहे अहइ सपथ अउर उ कबहुँ नाहीं बदली
निज मत 'तू अह एक ठु याजक सास्वत।"

भजन संहिता 110:4

22इ सपथ क कारण ईसू एक अउर अच्छा करार क
जमानत बन गवा बा।

23अब देखा। अइसेन बहुत स याजक हुआ कतत हीं
जेन्हे मउत तउ अपने गोड़े प नाहीं बनइ रहइ दिहेस।

24मुला काहेकि ईसू अमर अहइ, इही बरे ओकर
याजकपन भी हमेसा-हमेसा बना रहइवाला अहइ। 25अत:
जउन लोग ओकरे द्वारा परमेस्सर तक पहुँच हीं, उ
ओनकर हमेसा क बरे उद्धार करइ मँ समर्थ अहइ,
काहेकि उ ओनकर मध्यस्थता क बरे ही हमेसा जिअत ह।
26अइसेन ही महायाजक हमार जरूरतन क पूरा कइ सकत
ह, जउन पवित्तर होइ, दोस रहित होइ, सुद्ध होइ, पापियन
क प्रभाऊ स दूर रहत होइ, सरग से भी जेका ऊँचा उठावा
गवा होइ। 27जेकरे बरे दुसर याजकन क समान इ जरूरी न
अहइ कि उ दिन प्रतिदिन पहिले अपने पापन क बरे अउर
फिन लोगन क पापन क बरे बलिदान चढ़ावइ। उ तउ
हमेसा-हमेसा क बरे ओनके पापन ओनके पापन क बरे खुद
अपने आप क बलिदान कइ दिहेस। 28काहेकि व्यवस्था
दुर्बल लोगन क याजक क रूप मँ नियुक्त किहेस। मुला
सपथ क बचन व्यवस्था क बाद आवा, उस बचन क द्वारा
परमेस्सर बेटवा क महायाजक क रूप मँ नियुक्त किहेस
जउन हमेसा हमेसा क बरे पूरा बनि गवा।

नवा करार क महायाजक

8 जउन कछू हम कहत अही कि, ओकर मुख्य बात इ
बा: निस्चय ही हमरे लगे एक अइसा महायाजक बा
जउन सरगे मँ ओह महा महिमावान क सिंहासन क दहिने
हाथ बिराजमान अहइण 2उ ओह पवित्तर गर्भ गृह मँ यानि
स्वर्गिक रावटी, मँ जेका परमेस्सर तउ स्थापित किहे रहा, न
कि मनई, सेवा क काम करत ह।

3हर एक महायाजक क एह बरे नियुक्त कीन्ह जात ह उ
भेंटन अउर बलिदानन-दुन्नऊ क ही अर्पित करइ। अउर इही
बरे एह महायाजक क बरे भी जरूरी रहा कि ओकरे लगे
भी चढ़ावा क बरे कछू होइ। 4अगर उ धरती प होत तउ
उ याजक नाहीं होइ पावत काहेकि उहाँ पहिलेन स ही
अइसेन मनई अहइँ जउन व्यवस्था क अनुसार भेंट-चढ़ावत
हीं। 5पवित्तर आराधना स्थान मँ ओनकर सेवा-आराधना सरगे
क यथार्थ क एक छाया नकल अहइ। इही बरे जब मूसा
पवित्तर रावटी क निर्माण करइवाला रहा, तबइ ओका
चेतावनी दइ दीन्ह गइ रही: "ध्यान रहइ कि तू हर चीज
ठीक उही प्रतिरूप क अनुसार बनावा जउन तोहका पर्वत प
देखावा गवा रहा।" 6मुला जउन सेवा काम ईसू क मिला
बा, उ ओनके सेवा काम स स्रेस्ठ बा। काहेकि उ जेह
करार क मध्यस्थ अहइ उ पुरान करार स भी उत्तिम अहइ
अउर उत्तिम चीजन क सबइ प्रतिज्ञा प अधारित बा।

7काहेकि अगर पहिला करार मँ कउनउ खोट नाहीं होत
तउ दुसरे करार क बरे कउनउ स्थान इ नाहीं रहीा जात।
8मुला परमेस्सर क ओन्हन लोगन मँ खोट मिला उ कहेस:
"पर्भू घोसित करत ह, आवत अहइ उ समइ करबइ, जब
मइँ इस्राएल क घराना स यहूदा क घराना स एक नवा
करार

"तू … जइसा" भजन. 110:4

9इ करार होई न वइसेन जइसेन किहे रहेउँ मइँ ओनके पूर्वजन क साथ ओह समइ जब मइँ ओनकर हाथ मिस्र स निकाल लइयावइ बरे पकड़े रहेउँ काहेकि पर्भू कहत ह, उ मोरे करार मँ बिसवास नाहीं रखत मइँ ओनसे मुँह फेर लिहेउँ।

10इ बा उ करार जेका मइँ इस्राएल क घराना स करबइ। अउर फिन ओनके बाद पर्भू घोसित करत ह ओनके मन मँ निज व्यवस्था बसउबइ मइँ ओनके हिरदय प लिखि देबइ मइँ ओनका परमेस्सर बनबइ अउर उ मोर जन होइहीं।

11फिन तउ कबहुँ कउनो जन अपने पड़ोसी क, अइसेन न सिखावइ या कउनो जन न अपने भाइयन स कबहुँ कही तू पर्भू क पहचाना। काहेकि तब त ओ सभन छोट से लइ के बड़न से बड्न मोका जनिहीं तलक।

12काहेकि मइँ ओनके दुस्ट करमन क छमा करबइ अउर कबहुँ ओनके पापन क याद न रखबइ।"

यिर्मयाह 31:31-34

13एह करार क नवा कहिके उ ओनसे पहिले क व्यवहार क अयोग्य ठहरायेस। अउर जउन पुरान पड़त अहइ अउर व्यवहार क अयोग्य अहइ, उ त फिन जल्दी ही लुप्त होइ जाई।

पुराने करार क आराधना

9 अब देखा पहिले करार मँ ही आराधना क नियम रहेन। अउर एक मनई क हाथन क बना आराधना घर भी रहा। 2एक रावटी बनाइ गइ रही जेकरे पहिले कच्छ मँ दीपाधार रहेन, मेज रहिन, अउर भेंट क रोटी रही। एका पवित्तर स्थान कहा जात रहा। 3दुसरे परदा क पीछे एक अउर कमरा रहा जेका परम पवित्तर कहा जात बा। 4एहमन सुगंधित सामग्री क बरे सोना क वेदी अउर सोना क मढ़ी करार क पेटी रही। एह पेटी मँ सोना क बना पन्ना क एक पात्र रहा, हारून क उ छड़ी रही जेह पर कोपल फूटी रही अउर करार क पाथर क पतरा रहेन। 5पेटी क ऊपर परमेस्सर क महिमामय उपस्थिति क प्रतीक यानि करूब बना रहेन जउन छमा क स्थान पर छाया क करत रहेन। मुला एह समइ हम इन बातन क बिस्तार क साथे चर्चा नाहीं कइ सकित।

6सब कछू क एह तरह व्यवस्थित होइ जाइ क बाद याजक बाहरी कच्छ मँ प्रति दिन प्रवेस कइके आपन सेवा क काम करइ लागेन। 7मुला भीतर कच्छ मँ केवल महायाजक ही प्रवेस करत रहा अउर उहऊ साल मँ एक दाईं। उ बिना ओह लहू क कबहुँ प्रबेस नाहीं करत रहा जेका उ खुद अपने द्वारा अउर लोगन क द्वारा अनजाना मँ कीन्ह गए पापन क बरे भेंट चढ़ावत रहेन। 8एकरे द्वारा पवित्तर आतिमा इ दरसावा करत रहा कि जब तलक अबहिं पहिली रावटी खड़ी भई बा, तब तलक परम पवित्तर स्थान क रस्ता उजागर नाहीं होइ पावत। 9इ आजु क जुग क बरे एक प्रतीक अहइ जउन इ दरसावत ह कि भेंट अउर बलिदान जेका अर्पित कीन्ह जात बा, आराधना करइवालन क चेतना क सुद्ध नाहीं कइ सकत। 10इ सबइ तउ बस खाइपिअइ अउर कइयउ पर्व बिसेस-स्थानन क बाहेर क नियम अहइँ अउर नइ व्यवस्था क समई तक क बरे ही इ लागू होत हीं।

मसीह क लहू

11मुला अब मसीह इ अउर अच्छी व्यवस्था क, जउन अब हमरे लगे बा, महायाजक बनिके आइ गवा बा। उ ओह जियादा अच्छी अउर पूरी रावटी मँ स होइ क प्रवेस किहेस जउन मनइयन क हाथन क बनाइ भइ नाहीं रही। मतलब जउ सांसारिक नाहीं बा।

12बकरन अउर बछड़न क लहू क लइके उ प्रवेस नाहीं किहे रहा बल्कि सदा हमेसा क बरे भेंट सरूप अपने ही लहू क लइके परम पवित्तर स्थान मँ ओकर प्रवेस भवा रहा। एह तरह उ हमरे बरे पापन स सदा काल क छुटकारा सुनिस्चित कइ दिहे बा।

13बकरन अउर साँड़न क खून अउर बछिया क भभूत क ओनपइ छिड़का जाब, असुद्धन क सुद्ध बनावत ह ताकि उ सबइ बाहरी तउर प स्वच्छ होइ जाइँ। 14जब इ सच बा तउ मसीह क लहू केतॅना प्रभावसाली होइ। उ अनन्त आतिमा क द्वारा अपने आपक एक पूरी तरह बलि क रूप मँ परमेस्सर क समर्पित कइ दिहेस। तउन ओनकर लहू हमरे चेतना क ओन्हन करमन स छुटकारा देवाई जउन मउत क ओर लइ जात हीं ताकि हम सजीव परमेस्सर क सेवा कइ सकी।

15इही कारण स मसीह एक नवा करार क बीचउलिया बना ताकि जेनका बोलावा गबा बा, उ उत्तराधिकार क अनन्त आसीर्बाद पाई सकइँ जेनकर परमेस्सर तउ प्रतिज्ञा किहे रहा। अब देखा, पहिले करार क अधीन कीन्ह गएन पापन स ओन्हे छुटकारा दियावइ क बरे फिरौती क रूप मँ उ आपन प्रान तलक दइ चुका अहइ। 16जहाँ तलक बसीयतनामा क प्रस्न बा, तउ ओकरे बरे जे ओका लिखे अहइ, ओकरी मउत क प्रमाणित कीन्ह जाब जरुरी बाटइ 17काहेकि कउनउ बसीयतनामा केवल तबहिं प्रभावी होत ह जब ओका लिखइवालन क मउत होइ जात ह। जब तलक ओका लिखइवाला जिन्दा रहत ह, उ कबहुँ प्रभावी नाहीं होत। 18इही बरे पहिला करार भी बिना एक मउत अउर लहू क गिराए स काम सुरु नाहीं कीन्ह गवा। 19मूसा जब व्यवस्था क प्रत्येक आदेस क सब लोगन क घोसना कइ चुका तउ उ जल क साथे बकरन अउर बछड़न क लहू क लाल ऊन अउर हिसप क टहनियन स चर्म पत्रन अउर सभन लोगन पे छिड़क दिहे रहा। 20उ कहे रहा, "इ उ करार क लहू अहइ, परमेस्सर जेकरे पालन क आज्ञा तोहे सबन क दिहे अहइ।" 21उ इही तरह रावटी आराधना उत्सव मँ काम आवइवाली सब चीज प लहू छिड़के रहा। 22सही या व्यवस्था चाहत ह कि अक्सर हर चीज क लहू स सुद्ध कीन्ह जाइ। अउर बिना लहू बहाए छमा हई या नाहीं ही बाटइ।

मसीह क बलिदान पापन क धोइ डालत ह

23त फिन इ जरूरी बा कि चीजन जउन सरगे क
प्रतिकृति बाटिन, ओन्हे पसुवन क बलिदानन स सुद्ध कीन्ह
जाइ मुला सरग क चीजन त एनहूँन स अच्छी बलिदानन स
सुद्ध कीन्ह जाइ क अपेच्छा करत ह। **24**मसीह तउ मनइयन
क हाथन क बना परम पवित्तर स्थान मँ, जउन सच्चा परम
पवित्तर स्थान क एक प्रतिकृति मात्र रहा, प्रवेस नाहीं
किहेस। उ तउ खुदइ सरग मँ ही प्रवेस किहेस ताकि अब
उ हमरे ओर स परमेस्सर क उपस्थिति म प्रकट होइ।
25अउर नाहीं तउ आपन फिन-फिन बलिदान चढ़ावइ क बरे
उ सरगे मँ ओह तरह प्रवेस किहेस जइसेन महायाजक उ
लहू क साथे, जउन ओकर आपन नाहीं बा, परम पवित्तर
स्थान मँ हर साल प्रवेस करत ह। **26**नाहीं त फिन मसीह क
सृस्टि क आदि स ही कइयउ दाई जातना झेलइ क पड़त।
मुला अब देखा, इतिहास क चरम बिन्दु पर आपन बलिदान
क द्वारा पापन क नास करइ क बरे उ हमेसा हमेसा क
बरे एक्कइ बार प्रकट होइ गवा अहइ। **27**जइसे एक बार
मरब अउर ओकरे बाद निआव क सामना करब मनई क
नियति बा **28**तउन वइसेन मसीह क, एक्कइ बार कइयउ
मनइयन क पापन क हरि लेइ क बरे बलिदान कइ दीन्ह
गवा। अउर उ पापन क बहन करइ क बरे नाहीं बल्कि
जउन ओकर बाट जोहत अहइँ, ओनके बरे उद्धार लियावइ
क फिन दुसरी दाई प्रकट होइ।

अन्तिम बलिदान

10 व्यवस्था त आवइवाली अच्छी बातन क छाया मात्र
प्रदान करत ह। अपने आप मँ उ बात यथार्थ नाहीं
हइन। इही बरे उही बलियन क द्वारा जेन्हे हमेसा हर बरिस
अनन्त रूप स दीन्ह जात रहत ह, आराधना क बरे लगे
आवइवालन क हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध नाहीं कीन्ह
जाइ सकत। **2**अगर अइसेन होइ पावत तउ का ओनकर
चढ़ावा जाब बन्द न होइ जात? काहेकि फिन तउ आराधना
करइवालन एक ही इ बार मँ सदा-हमेसा क बरे पवित्तर
होइ जातेन। अउर आपने पापन क बरे फिन कबहुँ खुद क
अपराधी न समझतेन।

3मुला उ बलिदान तउ बस पापन क एक बरस भरे क
स्मृति मात्र अहइँ। **4**काहेकि साँड़न अउर बकरन क लहू
पापन क दूर कइ देइ, इ सम्भव नाहीं बा। **5**इही बरे जब
मसीह एह जगत मँ आइ रहा तउ उ कहे रहा:

"तू बलिदान अउर कउनउ भेंट नाहीं चाह्या, मुला मोरे
बरे एक देह तइयार किहा।

6तू नाहीं कउनउ दग्ध भेंटन स न तउ पाप भेंटन स खुस
भया।

7तब फिन मइँ कहे रहेउँ, 'किताबे मँ मोर बरे इ लिखा
भी बा मइँ इहाँ अहइ। हे परमेस्सर तोहार इच्छा पूरा करइ
क आइ हउँ।'"

भजन संहिता 40:6-8

8उ पहिलेन कहे रहा, "बलिदान अउर भेंटन, दग्ध भेंटन
अउर पाप भेंटनन तउ तू चाहत अहा अउर न तउ तू ओसे
खुस होत ह।" (यद्यपि व्यवस्था इ चाहत ह कि उ सबइ
चढ़ाइ जाइँ) **9**तब उ कहे रहा, "मइँ इहाँ अहउँ। मइँ तोहार
इच्छा पूरी करइ आई हउँ।" त उ दुसरे व्यवस्था क स्थापित
करइ क बरे, पहिली क रद्द कइ देत ह। **10**तउन परमेस्सर
क इच्छा स एक बार ही हमेसा-हमेसा क बरे ईसू मसीह
क देह क बलिदान द्वारा हम पवित्तर कइ दीन्ह गएन।

11हर याजक एक दिना क बाद दुसरे दिन खड़ा होइके
अपने धार्मिक कारज क पूरा करत ह। उ पचे फिन-फिन
एक जइसेन ही उ बलि चढ़ावत हीं जउन पापन क कबहुँ
दूर नाहीं कइ सकतेन। **12**मुला याजक क रूप मँ मसीह तउ
पापन क बरे, हमेसा क बरे एक्कइ बलि चढ़ाइके परमेस्सर
क दहिने हाथ जाइ बइठा। **13**अउर उही समइ स ओका
अपने विरोधियन क ओकरे चरण क चौकी बनाइ दीन्ह जाइ
क प्रतीच्छा बा। **14**जउन पवित्तर कीन्ह जात अहइ, ओनका
हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध कइ दिहेस

15एकरे बरे पवित्तर आतिमा हमका साच्छी देत ह। पहिले
उ बतावत ह:

16'इ अहइ उ करार जेका मइँ ओनसे करबइ। अउर
फिन ओकरे बाद पर्भू घोसित करत निज व्यवस्था मइँ
ओनकइ हिरदइ मँ बसबउबइ ओनके मने पर लिखी देबइ।"

यिर्मयाह 31:33

17उ इहउ कहत ह:

"ओनके पापन अउर ओनके दुस्करमन क अब मइँ
कबहुँ यादत रखब।" *यिर्मयाह 31:34*

18अउर फिन जब पाप छमा कइ दीन्ह गएन त पापन क
बरे कउनो बलिदान क कउनउ जरूरत रही ही नाहीं।

परमेस्सर क लगे आवअ

19इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि ईसू क लहूक
द्वारा हमका ओह परम पवित्तर स्थान मँ प्रवेस करइ क
निडर भरोसा बा। **20**जेका उ परदा क द्वारा, मतलब जउन
ओकर सरीरइ, अहइ, एक नवा अउर सजीव रस्ता क
माध्यम स हमरे बरे खोलि दिहे अहइ। **21**अउर काहेकि
हमरे लगे एक अइसेन महान याजक अहइ जउन परमेस्सर
क घराना क अधिकारी अहइ। **22**तउ फिन आवा, हम सच्चे
हिरदइ, निस्चितपूर्ण बिसवास आपन अपराधपूर्ण चेतना स
हमका सुद्ध करइ क बरे कीन्ह गए छिड़क भी स युक्त
अपने हिरदइ क लइके सुद्ध जल स धोवा भए अपने सरीरन
क साथे परमेस्सर क लगे पहुँचाय अही। **23**तउ आवअ जेह
आसा क हम अंगीकार किहे हई, हम अडिग भाउ स ओह
पर डटा रही काहेकि जे हमका बचन दिहे अहइ, उ
बिसवासपूर्ण बा।

एक दुसरे क बलवान करइ

24अउर आवा हम धियान रखी कि हम पिरेम अउर
अच्छा करमन क बरे एक दुसरे क कइसेन बढ़ावा दइ
सकित ह। **25**हमरे सबइ सभा मँ आउब जिन छोड़ा।
जइसेन कि कछून क तउ उहाँ न आवइ क आदत ही पड़ि
गइ बा। बल्कि हमका तउ एक दुसरे क बलवान करइ

चाही। अउर जइसेन कि तू देखत अहा कि उ दिन लगे
आवत बा-तउन तोहे तउ इ अउर जियादा करइ चाही।

मसीह स मुँह न फेरा

26सत्य क गियान पाइ लेइके बाद उ अगर हम जानबूझ
क पाप करित ही रहित ह फिन तउ पापन क बरे कउनउ
बलिदान बचा नाहीं रहत। 27बल्कि फिन त निआव क
भयानक प्रतीच्छा अउर भीसण आगी बाकी रहि जात ह
जउन परमेस्सर क बिरोधियन क चट कइ जाई। 28जउन
कउनउ मूसा क व्यवस्था क पालन करइ स मना करत ह,
ओका बिना दया देखाए दुइ या तीन साच्छियन क साच्छी
प मारि डावा जात ह। 29सोचा, उ मनइयन केतना जियादा
कड़ा दंड क पात्र अहइँ, जे अपने गोड़न तले परमेस्सर क
पूत क कुचलेन, जे करार क उ लहू के, जे ओनका पवित्तर
किहे रहा, एक अपवित्तर चीज मानेन अउर अनुग्रह क
आतिमा क अपमान किहेन। 30काहेकि हम ओनका जानित
ह जे कहे रहेन, "बदला लेब काम बा मोर, मइँ हीं बदला
लेब।"* अउर फिन, "पर्भू अपने लोगन क निआव
करी।"* 31कउनो पापी क सजीव परमेस्सर क हाथन मँ
पड़ि जाब एक भयानक बात अहइ।

बिसवास बनाये रखा

32आरम्भ क उ दिनन क याद करा जब तू प्रकास पाए
रह्या, अउर ओकरे बाद जब तू कस्टन क सामना करत
भए कठोर संघर्स मँ मजबूती क साथे डटा रह्या। 33तब
कबहुँ तउ सब लोगन क सामने तोहे अपमानित कीन्ह गवा
अउर सताया गवा अउर कबहुँ जेनके साथे अइसेन बर्तव
कीन्ह जात रहा, तू ओनकर साथ दिह्या। 34तू, जउन
बन्दीघरे मँ पड़ा रह्या, ओनसे सहानुभूति क अउर अपने
सम्पत्ति क जब्त कीन्ह जाब सहर्स स्वीकार किह्या काहेकि
तू इ जानत रह्या कि खुद तोहरे अपने लगे ओनसे अच्छी
अउर टिकाऊ सम्पत्तियन बाटिन।

35तउन अपने साहस बिसवास क जिन तियागा काहेकि
एकइ भरपूर प्रतिफल दीन्ह जाई। 36तोहे धीरज क जरूरत
बा ताकि तू जब परमेस्सर क इच्छा पूरी कइ चुका तउ
जेकर बचन उ दिहे अहइ, ओका तू पाइ सका। 37काहेकि
बहुत जल्दी ही,

"जेका आवइ क बा, उ जल्दी ही आई, अउर देर नाहीं
करी।

38मोर धर्मी जन जउने बिसवास स अउर अगर उ पीछे
हटी तउ मइँ ओनसे खुस न रहबइ।"

हबक्कूक 2:3-4

39मुला हम ओनसे नाहीं हई जउन पीछे हटत हीं अउर
खतम होइ जात हीं बल्कि ओनमाँ स अही जउन बिसवास
करत हीं अउर उद्धार पावत हीं।

बिसवास क महिमा

11 बिसवास क मतलब बा, जेकर हम आसा करित ह,
ओकरे बरे सुनिस्चित होब। अउर बिसवास क
मतलब बा कि हम चाहे कउनो चीज क देखत न अही
मुला ओकरे अस्तित्व क बारे मँ सुनिस्चित होब कि उ बा।
2इही कारण पुरानन क परमेस्सर क आदर मिला भआ रहा।

3बिसवास क आधार पर ही हम इ जानित ह कि
परमेस्सर क आदेस स जगत क रचना भइ रही। इही बरे
जउन दृस्य बा, उ दृस्य स नाहीं बना बा।

4हाबिल तउ बिसवास क कारण ही परमेस्सर क कैन स
अच्छी बलि चढ़ाए रहा। बिसवास क कारण ही ओका एक
धर्मी मनई क रूप मँ तब सम्मान मिला रहा जब परमेस्सर त
ओकरी भेंटन क प्रसंसा किहे रहा। अउर बिसवास क
कारण उ आजऊ बोल थीं जद्यपि उ मरी चुका अहइ।

5बिसवास क कारण ही हनोक क एह जीवन स उप्पर
उठाइ लिहा गवा रहा ताकि ओका मउत क अनुभव न
होइ। परमेस्सर तउ काहेकि ओका दूर हटाइ दिहे रहा इही
बरे उ पावा नाहीं गवा। काहेकि ओका उठावा जाइ स
पहिले परमेस्सर क प्रसन्न करइवाले क रूप मँ ओका
सम्मान मिल चुका रहा। 6बिसवास के बिना परमेस्सर क
खुस करब असम्भव रहा। काहेकि हरएक उ जउन ओकरे
लगे आवत ह, ओकरे बरे इ जरूरी बा कि उ एह बात क
बिसवास करइ कि परमेस्सर क अस्तित्व बा अउर उ जउन
ओका सच्चाई क साथ खोजत ह, उ ओन्हे ओकर प्रतिफल
देत ह।

7बिसवास क कारण ही नूह क जब ओन्हन बातन क
चेतावनी दीन्ह गइ जउन उ देखे तक नाहीं रहा तउ उ
पवित्तर भय स भरा आपन परिवार क बचावइ क बरे एक
नाव क निर्माण किहे रहा। अपने बिसवासे स ही उ एह
संसार क दोसपूर्ण मानेस अउर ओह धार्मिकता क उतराधिकारी
बना जउन बिसवास स आवत ह।

8बिसवास क कारण ही, जब इब्राहीम क अइसेन स्थान
प जाइके बरे बोलावा गवा रहा, जेका बाद मँ उतराधिकार
क रूप मँ ओका पावइ क रहा, जदि उ इ जानत तक नाहीं
रहा कि उ कहाँ जात बा, फिन भी उ आज्ञा मानेस अउर उ
चला गवा। 9बिसवास क कारण ही जउने धरती क देइ क
ओका बचन दीन्ह गवा रहा, ओह प उ एका अनजान
परदेसी क समान आपन घरे बनाइके निवास किहेस। उ
तम्बुवन मँ वइसेन रहा जइसेन इसहाक अउर याकूब रहत
रहेन जउन ओकरे संग परमेस्सर क ओह प्रतिज्ञा क
उतराधिकारी रहेन। 10उ मजबूत आधारवाली उ नगरी क
बाट जोहत रहा जेकर सिल्पी अउर निर्माण कर्ता परमेस्सर
अहइ।

11बिसवास क कारण ही, इब्राहीम जउन बूढ़ा होइ चुका
रहा अउर सारा जउन खुद बाँझ रही, जे बचन दिहे रहा,
ओका बिसवासनीय समझिके गर्भवती भइ अउर इब्राहीम क
बाप बनाइ दिहेस।

12अउर एह तरह इ एक्कइ मनई स जउन मरियल स
रहा, अकास क तारन जेतनी असंख्य अउर सागर-तट क
रेत-कणन जेतनी अनगिनत संतान भइन।

"बदला ... लेब" व्यवस्था. 32:35

"पर्भू ... करी" भजन: 135:14

13बिसवास क अपने मन मँ लिए भए इ लोग मरि गएन। जिन चीजन क प्रतिज्ञा दीन्ह गइ रही, उ ओ चीजन क नाहीं पाएन। उ पचे बस ओनका दुर स ही देखेन अउर ओनकर स्वागत किहेन अउर उ इ मानि लिहेन कि ओ पचे इ धरती प परदेसी अउर अनजान अहइँ। **14**उ लोग जउन अइसेन बात कहत हीं, उ इ देखावत हीं कि उ पचे एक अइसेन देस क खोज मँ अहइँ जउन ओनकर आपन अहइ। **15**अगर उ पचे ओह देस क बारे मँ सोचतेन जेका उ छोड़ि चुका अहइँ तउ ओनके फिन स लउटइ क अवसर रहत। **16**मुला ओन्हे तउ सरगे क एक अच्छा प्रदेस क उत्कट अभिलासा बा। इही बरे परमेस्सर क ओनकर परमेस्सर कहवावइ मँ संकोच नाहीं होत काहेकि उ तउ ओनके बरे एक नगर तइयार कइ रखे अहइ।

17-18बिसवास क कारण ही इब्राहीम तउ, जब परमेस्सर ओकर परीच्छा लेत रहा, इसहाक क बलिदान चढ़ाएस। उहइ जेका प्रतिज्ञा मिली भइ रही, अपने एक मात्र बेटवा क जब बलिदान देई बाला रहा। तउ जद्यपि परमेस्सर त ओसे कहे रहा, "इसहाक क द्वारा ही तोहार वंस बाढ़ी।" **19**मुला इब्राहीम तउ सोचेस कि परमेस्सर मरे भएन क भी जियाइ सकत ह अउर अगर अलंकारित भाखा मँ कहा जाइ तउ उ इसहाक क मउत स फिन वापस पाइ लिहेस।

20बिसवास क कारण ही इसहाक तउ याकूब अउर एसाब क ओनके भविस्स क बारे मँ आसीर्बाद दिहेस। **21**बिसवास क कारण ही याकूब तउ जब उ मरत रहा।

22यूसुफ जब ओकर अंत निकट रहा हर बेटवा क आसीर्बाद दिहेस अउर लाठी क उपर सिरे झुकि के सहारा लेत परमेस्सर क आराधना किहेस। **23**बिसवास क अधार पर ही, मूसा क महतारी-बाप तउ, मूसा क जनम क बाद ओनका तीन महिना तक छुपाये रखेन काहेकि ओ देखि लिहे रहेन कि उ कउनो सामान्य बालक नाहीं रहा अउर उ राजा क आज्ञा स नाहीं डरेन।

24बिसवास स ही, मूसा जब बड़ा भवा तउ फिरौन क बिटिया क बेटवा कहवावइ स इन्कार कइ दिहेस। **25**उ पाप क छणिक सुक भोगन क अपेच्छा परमेस्सर क लोगन क साथे दुर्व्यवहार झेलबइ ही चुनेस। **26**उ मसीह क बरे अपमान झेलइ क मिस्र क धन भंडारन क अपेच्छा जियादा मूल्यवान मानेस काहेकि उ आपन प्रतिफल पावइ क बाट जोहत रहा। **27**बिसवास क कारण ही, राजा क क्रोध स न डरत भए उ मिस्र क परित्याग कइ दिहेस। उ डटा रहा, मान ओका अदृस्य परमेस्सर देखात अहइ। **28**बिसवास स ही, उ फसह क त्यौहार अउर लहू छिड़कइ क पालन किहेस, ताकि पहिलौठा क बिनास करइवाला इस्राएल क पहिलौठा क छू तक न पावइ।

29बिसवास क कारण ही, लोग लाल-सागर स अइसेन पार होइ गएन जइसेन उ कउनो सूखी जमीन होइ। मुला जब मिस्र क लोगन अइसेन करइ चाहेन तउ उ पचे डूबि गएन।

30बिसवास क कारण ही, यरीहो क नगर-परकोट लोगन क सात दिन तलक ओकरे चारिहुँ कइँती परिक्रमा कइ लेइके बाद ढह गवा।

31बिसवास क कारण ही, राहाब नाउँ क बेस्या आज्ञा क उल्लंघन करइवालन क साथे नाहीं मारी गइ रही काहेकि उ गुप्तचरन क स्वागत सत्कार किहे रही।

32अब मइँ अउर जियादा का कही। गिदोन, बाराक, सिमसोन, यिफतह, दाऊद, समूएल अउर ओन्हन नबियन क चर्चा करइ क मोरे लगे समइ नाहीं बाटइ। **33**जे बिसवास स, राज्यन क जीत लिहेस, निआवपूर्ण काम किहेस अउर परमेस्सर जउन देइ क बचन दिहे रहा, ओका पाएस। जे सिंहन क मुँह बन्द कइ दिहेस, **34**लपलपात लपटन क क्रोध क सान्त किहेस अउर तलवार क धार स बच निकलेन, जेकरे कमजोरी इ सक्ति मँ बदल गइ, अउर युद्ध मँ जउन सक्तिसाली बनेन अउर जे बिदेसी सेनन क छिन्न-भिन्न कइ डाएन।

35स्त्रियन तउ अपने मरन हुवन क फिन स जिन्दा पाएन। बहुतन क सतावा गवा, मुला उ छुटकारा पावइ स मना कइ दिहेन ताकि ओनका एक अउर अच्छा जीवन मँ पुनरुत्थान मिलि सकइ। **36**कछू क उपहासन अउर कोड़न क सामना करइ पड़ा जबकि कछू क जंजीरन स जकड़िके बन्दी घरे मँ डालि दीन्ह गवा। **37**कछू पइ पथराऊ कीन्ह गवा। ओनका आरा स चीरके दुइ फाँक कइ दीन्ह गवा, ओनका तलवार स मउत क घाट उतारि दीन्ह गवा। उ पचे गरीब रहेन, ओनका जातना दीन्ही गइ अउर ओनके साथे बुरा व्यवहार कीन्ह गवा! उ पचे भेड़ बकरियन क खाल ओढ़े रहेन अउर एहर ओहर भटकत रहेन। **38**इ संसार ओनके योग्य नाहीं रहा। उ पचे रेगिस्तानन अउर पहाड़न मँ घूमत रहेन अउर सबइ गुफा अउर धरती मँ बने भए बिलन मँ छुपत-छुपावत फिरेन।

39अपने बिसवासे क कारण ही इ लोग सब स सराहा गएन। फिन भी परमेस्सर क जेकर महान बचन ओनका दीन्ह गवा रहा, ओका एनमाँ स कउनो नाहीं पाइ सका। **40**परमेस्सर क लगे आपन योजना क अनुसार हमरे बरे कूछ अउर जियादा अच्छा रहा जइसेन ओनहूँ बस हमरे साथे ही पूरा सिद्ध कीन्ह जाइ।

परमेस्सर अपने बेटवन क सिधावत ह

12 काहेकि हम साच्छियन क अइसेन एतॅनी बड़ी भीड़ स घिरी भइ अहइ, जउन हमका बिसवास क मतलब का अहइ एकर साच्छी देत ह इही बरे आवा बाधा पहुँचावइवाली हर एक चीज क अउर ओह पाप क जउन सहज इ मँ हमका उलझाइ लेत ह झटकिके फेंका अउर उ दउड़ जउन हमका दउड़इ क बा, आवअ धीरज क साथे ओका दउड़ी। **2**हमार बिसवास क अगुआ अउर ओका पूरा सिद्ध करइवाला। ईसू पे आवा हमका दिस्टी हटवाइ न चाही। जे अपने सामने उपस्थित आनन्द क बरे क्रूस क जातना झेलेन, ओकरी लज्जा क कउनउ चिंता नाहीं किहेस अउर परमेस्सर क सिंहासन क दहिने हाथ विराजमान होइ गवा। **3**ओकर धियान करा जे पापियन क अइसेन विरोध एह बरे सहन किहेस ताकि थकिके तोहार मन हार न मानि बइठइ।

परमेस्सर पिता जइसा

4पाप क बिरुद्ध आपन संघर्स मँ तोहे सबन क एतँना
नाहीं अड़इ पड़ा रहा कि आपन लहू बहावइ पड़ा होइ। 5तू
उ साहसपूर्ण बचन क भूलि गवा अहा। जउन तोहरे बेटवा
नाते सम्बोधित अहइ:

“मोर बेटवा, पर्भू क अनुसासन क महत्व को समझइ मँ
असफल न ह्वा। तिरस्कार जिन करा, ओकरे फटकार क
बुरा कबहुँ जिन माना
6काहेकि पर्भू ओनका अनुसासन करत ह। उ जेनसे पिरेम
करत ह। अउर जइसेन बेटवा बनाइ लेत अहइ, ओनका दंड
भी देत ह।”

नीतिवचन 3:11-12

7कठिनाइ क अनुसासन क रूप मँ सहन करा। परमेस्सर
तोहरे साथे अपने बेटवा क समान व्यवहार करत ह। अइसा
बेटवा के होइ जउन अपने बाप क द्वारा अनुसासित न
भवा होइ? 8अगर तोहे अइसेन नाहीं दण्डित कीन्ह गवा होइ
जइसेन सबन क दण्ड दीन्ह जात ह तउ तू अपने बाप स
पैदा भवा बेटवा नाहीं अहा। तउ सच्चा सन्तान नाहीं अहा।
9अउर फिन इहउ कि एन सबन क उ बापउ जे हमरे सरीर
क जन्म दिहे अहइ, हमका सिधावत अहइ। अउर एकरे बरे
हम ओन्हे मान देइ ह तउ फिन हमका आपन आतिमन क
बाप क अनुसासन क तउ केतना जियादा अधीन रहत भए
जिअत चाही। 10हमार बाप तउ तनिक समइ मँ जइसा उ
नीक समझेस, हमका दंडित किहेस। हमका दण्ड, मुला
परमेस्सर हमका हमार भलाइ क बरे दण्डित करत ह,
जइसेन हम ओकर पवित्रता क सहभागी होइ सकी।
11लोगन क जउने समइ सिधावा जात ह, ओह समइ
सिधाउब अच्छा नाहीं लागत, बल्कि उ दुखद लागत ह
मुला कछू भी होइ, उ जउन एकरे द्वारा सिधावा जाइ चुका
बाटेन, ओनके बरे इ आगे चलिके नेकी अउर सान्ति क
सुफल प्रदान करत ह।

चेतावनी: कइसे रहा

12इही बरे आपन कमजोर भुजा अउर कमजोर घुटनन क
सबल बनावा। 13अपने गोड़न क बरे रस्ता बनावा तू
समतल। तकि जउन लँगड़ा हयेन, उ अपंग नाहीं, वरन
चंगा होइ जाइँ।

14सभन क साथे सान्ति क साथे रहइ क कोसिस करा
अउर पवित्तर होइ क बरे हर तरह स प्रयत्नसील रहा, बिना
पवित्तरता क कउनउ पर्भू क दर्सन न कइ पाई। 15इ बात
क धियान रखा कि परमेस्सर क अनुग्रह स कउनो बिमुख न
होइ जाइ अउर तोहे कस्ट पहुँचावइ अउर बहुत जने क
बिकृत करइ क बरे कड़वी जड़ न फूटि पड़इ। 16देखा कि
कउनउ व्यभिचार न करइ अउर उ एसाव क समान
परमेस्सर बिहीन न होइ जाइँ जइसेन सबसे बड़ा बेटवा होइ
क नाते उत्तराधिकार पाबइ क अधिकारी रहा मुला जे ओन्हे
बस एक जून क खाइ भर क बरे बेचि दिहेस। 17जइसेन
कि तू जनतइ अहा बाद मँ जब उ इ आसीर्बाद क पावई
चाहेस तउ ओका अयोग्य ठहरावा गवा। जद्यपि उ रोइ-रोइके
बरदान पावइ चाहेस मुला उ अपने किहे क अनकिहे नाहीं
कइ पाएस।

18तू आगी स जलत हुआ एह पर्वत क लगे नाहीं आया
जेका छुवा जाइ सकत रहा अउर न तउ अंधकार, बिसाद
अउर बवंडर क लगे आया होइ। 19अउर न तउ तुरही क
तेज आवाज अउर कउनउ अइसेन सुर क करीब मँ आया,
अउर न बोलत बचन का सुन्या, उ आवाज जेकरे सुने क
बाद केउ क सुनइ क जरूरत नाहीं रहत। 20काहेकि जउन
आदेस दीन्ह गवा रहा, उ पचे ओका झेली नाहीं पाएन:
“अगर कउनउ पसु तलक उ पर्वत क छुवइ तउ ओहे पे
पथराऊ कीन्ह जाई।”* 21उ दृस्य एतना भयभीत कइ
डावइवाला रहा कि मूसा तउ कहेस, “मइँ भय स थर-थर
काँपत हउँ।”*

22बल्कि तू सिय्योन पर्वत, सजीव परमेस्सर क नगरी,
सरगे क यरूसलेम क लगे आइ पहुँचा अहा। तू तउ
हजारन-हजार सरगदूतन क आनन्दपूर्ण सभा, 23परमेस्सर क
पहिलौटी क संतानन, जेनके नाउँ सरग मँ लिखा बाटेन,
ओनके सभा क लगे पहुँच चुका अहा। तू सबके निआव
कर्ता परमेस्सर अउर ओन्हन धर्मात्मा, पूर्ण मनइयन क सबइ
आतिमन, 24अउर एक नवा करार क बीचवा मँ ईसू अउर
छिड़का भवा उ लहू स लगे आइ चुका अहा जउ न
हाबील क लहू क अपेच्छा अच्छा बचन बोलत ह।

25धियान रहइ, कि यदि जब परमेस्सर बोलत ह ओका
सुनइ स जिन करा। जदि उ पचे ओका नकारिके नाहीं बच
पाएस जउन ओनकर धरती पे चेतावनी दिहे रहा अगर हम
ओनसे मुँह मोड़बइ जउन हमका सरग स चेताउनी देत बा,
तउ हम त दण्ड स बिलकूलही न बची पउबइ। 26ओकर
बानी ओह समइ धरती क झकझोर दिहे रही मुला अब उ
प्रतिज्ञा किहे अहइ, “एक बार फिन न केवल धरती क ही
बल्कि आकासे क भी मइँ झकझोर देबइ।”* 27एक बार
फिन” इ सब्द उ हर चीज क ओर इंगित करत भवा जउन
हिल गवा बा, जब स उ रचा गवा बा। उ सबइ क नास
कइ दीन्ह जाई। केवल उहइ चीजन बचिहीं जउन हिलाई न
जाइ सकइँ।

28अत: काहेकि जब हमका एक अइसेन राज्य मिलत
बा, जेका झकझोरा नाहीं जाइ सकत, तउ आवा हम
धन्यवादी बनी अउर आदर मिले भए क साथे परमेस्सर क
आराधना करी। 29काहेकि हमार परमेस्सर भस्म कइ डावइवाली
एक आग अहइ।

निस्कर्स

13 भाई क समान परस्पर पिरेम करत रहा। 2अतिथियन
क सत्कार करब न भूला, काहे कि अइसेन करत
भए कछू लोगन तउ अनजाना मँ ही सरगदूतन क स्वागत
सत्कार किहे अहइँ। 3बंदियन क इ रूप मँ याद करा जइसेन
तूहऊँ ओनके साथी बन्दी रहा ह्वा। जेनके साथे बुरा

“अगर … जाई” निर्ग. 19:12-13

“मइ … हउँ” व्यवस्था. 9:19

“एक बार … देबइ” हग्गै 2:6

व्यवहार भवा बा ओनकर एह तरह सुधि ल्या जइसेन माना
तू खुद पीड़ित होत अहा।
4बियाह क सबके आदर करइ चाही। बियाह क सेज क
पवित्तर रखा। काहेकि परमेस्सर व्यभिचारियन अउर दुराचारियन
क दण्ड देई। **5**अपने जीवन क धने क पिरेम स मुक्त रखा।
जउन कछू तोहरे लगे बा, उही मँ सन्तोस करा काहेकि
परमेस्सर तउ कहे बाटइ,

"मइँ तोहका कबहुँ न छोड़ब, अउर तोहका कभी न
तजबइ।"
व्यवस्था विवरण 31:6

6इही बरे हम बिसवास क साथे कहत हई,
"पर्भू मोर सहायक, मइँ कबहुँ भयभीत न बनबइ।
कउनउ मनइ मोर का करइ?"
भजन संहिता 118:6

7अपने नेतन क याद रखा जे तोहे परमेस्सर क बचन
सुनाये अहइ। ओनकर जीवन विधि क परिणाम पे बिचार
करा अउर ओनके बिसवास क अनुसरण करा। **8**ईसू मसीह
काल्हिउ ही रहा, आजउ वइसेनइ अहइ अउर युग-युगान्तर
तलक वइसेन ही रही।
9हर तरह क अपरिचित उपदेस स भरमावा न जा। तोहरे
मने क बरे अच्छा बा कि उ अनुग्रह क द्वारा मजबूत बन
रहा न कि खाइ-पअइ सम्बन्धी नियमन क मानइ स, जेनसे
ओनकर कबहुँ कउनउ भला न भवा होइ, जे ओन्हे मानेन।
10हमरे लगे एक अइसेन बेदी अहइ जइसेन प स खाइ
क अधिकार ओनका न होइ जउन रावटी मँ सेवा करत हीं।
11महायाजक परम पवित्तर स्थानन प पाप बलि क रूप मँ
पसुवन क लहू त लइ जात हीं, मुला ओनकर सरीर डेरा स
बाहेर जलाइ दीन्ह जात हीं। **12**इही बरे ईसू तउ खुद अपने
लहू स लोगन क पवित्तर करइ क बरे नगर दुवार क बाहेर
यातना झेलेस। **13**तउ फिन आवा हमहूँ इही अपमान क
झेलत भए जेका उ झेले रहा, डेरन क बाहेर ओनके लगे
चली। **14**काहेकि इहाँ हमार कउनो स्थायी नगर नाहीं बा
बल्कि हम तउ ओह नगर क बाट जोहत अही जउन
आवइवाला अहइ। **15**अत: आवा हम ईसू क द्वारा
परमेस्सर क स्तुति रूपी बलिदान करी जउन ओन ओठन
क फल अहइ जे ओनके नाउँ क पहिचाने हयेन। **16**अउर
नेकी करब अउर आपन चीजन क अउरन क साथे बाँटब
न भूला। काहेकि परमेस्सर अइसेनइ बलिदान स खुस
होत ह।
17आपने नेतन क आज्ञा माना। ओनके अधीन रहा। उ
पचे तोहेप अइसेन चउकसी रखत हीं जइसेन ओन्हन मनइयन
प रखी जात ह जेका आपन लेखा-जोखा ओन्हे देइ क बा।
ओनकर आज्ञिया मानअ, जेसे ओनकर करम आनन्द बनी
जाइ। न कि एक बोझ बनइ। काहेकि ओसे तोहर कउनउ
लाभ न होये।
18हमरे बरे बिनती करत रहा। हमका निस्चय कि हमार
भावना ठीक बा। अउर हम हर तरह स उहइ करइ चाहित
ह जउन उचित बा। **19**मइँ बिसेस रूप स आग्रह करित ह
कि तू पराथना करत रहा ताकि जल्दी ही मइँ तोहरे लगे
आइ सकउँ।
20-21जे भेड़न क उ महान रखवाला हमार पर्भू ईसू क
लहू द्वारा उ सनातन करार पे मोहर लगाइ क मरा भएन
मँ स जियाइ उठायेस, उ सान्ति-दाता परमेस्सर आन्तरिक
करार प्रभावित करे अहइ। तोहे सभन क अच्छी साधना स
सम्पन्न करइ। जइसेन तू ओनकर इच्छा पूरी कइ सका।
अउर ईसू मसीह क जरिये उ हमरे भित्तर उ सब कछू क
सक्रिय करइ जउन ओनका भावत ह। जुग-जुगान्तर तलक
ओनकर महिमा होत रहइ अउर जउन ओका अच्छा लागत
रहइ। आमीन!
22भाइयो तथा बहिनियो मोर आग्रह बा कि तू प्रेरणा
देइवाला मोरे इ बचन क धारन करा। मइँ तोहे इ पत्र बहुत
संछेप मँ लिखे हउँ। **23**मइँ चाहत अहउँ कि तोहे जानकारी
होइ कि हमार भाई तीमुथियुस रिहा कइ दीन्ह गवा अहइ।
अगर उ जल्दी ही आइ पहुँचइ तउ मइँ उही क साथे तोहसे
मिलइ अउबइ। **24**अपने सभन अग्रणियन अउर परमेस्सर क
लोगन क नमस्कार भेजत कहा। इतालियावाले स आवा
सभी लोगन तोहे नमस्कार भेजत अहइँ। **25**परमेस्सर क
अनुग्रह तोहे सभन क साथे रहइ।